अ नु क्र म णि का

पृष्ठ क्रमांक

प्रथम अध्याय – जगदीश गुप्त : व्यक्तित्व और कृतित्व 1 – 15

जीवन परिचय।

बचपन।

मेधावी, छात्र।

चित्रकारिता।

शिक्षा।

शोध–ग्रंथ।

अध्यापन।

रचना सम्मान।

डा.जगदीश गुप्त का कृतित्व

अभिरूचियाँ और दिशाएँ।

कला संदर्भ, शिल्प सहयोग ।

मूर्ति एवं पुरातत्व : विशेष संदर्भ ।

प्रातिनिधीक रचनाओं का परिचय

"शम्बूक", "गोपा गौतम", "छंद शती", "आदिम एकान्त",

"काव्य सेतु", "रीतिकाव्य संग्रह", नयी कविता – स्वरूप

और समस्याएँ ।

निष्कर्ष ।

द्वितीय अध्याय – खण्डकाव्य – सैध्दान्तिक समीक्षा । 16 – 33

खण्डकाव्य परिचय ।

काव्य का वर्गीकरण ।

खण्डकाव्य – हिंदी मे स्वरूप ।

खण्डकाव्य – परिभाषा ।

खण्डकाव्य के लक्षण।

कथा वस्तु, पात्र, उद्देश्य।

खण्डकाव्य वर्गीकरण ।

खण्डकाव्य और अन्य समान काव्यरूप।

खण्डकाव्य एवं महाकाव्य।

खण्डकाव्य एवं एकार्थ काव्य ।

खण्डकाव्य एवं कथा काव्य,

खण्डकाव्य एवं मिश्र काव्य,

खण्डकाव्य एवं गीतिकाव्य,

आधुनिक हिंदी खण्डकाव्य परंपरा ।

तृतीय अध्याय – जगदीश गुप्त के खण्डकाव्यों का सामान्य परिचय (बोधिवृक्ष, गोपा गौतम) 34 - 68

गोपा गौतम

बोधिवृक्ष

निष्कर्ष ।

चतुर्थ अध्याय – जगदीश गुप्त के खण्डकाव्य – बुध्दचरित्र 69 - 96

बुध्दचरित्र

निष्कर्ष।

पंचम अध्याय – जगदीश गुप्त के खण्डकाव्य में बौध्द दर्शन 97 - 121

बौध्द दर्शन

निष्कर्ष।

षष्ठम अध्याय – समापन । 122 - 126

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची। 127 - 128